पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा – XI
विषय– लेखाशास्त्र (301)

पूर्णांक –100

सैद्धांतिक – 80
प्रायोजना – 20

स0क्र0	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
	वित्तीय लेखांकन – भाग–1		
अध्याय–1	लेखांकन – एक परिचय	05	10
अध्याय–2	लेखांकन के सैद्धांतिक आधार	04	10
अध्याय–3	लेन–देनों का अभिलेखन–1	09	25
अध्याय–4	लेन–देनों का अभिलेखन–2	09	25
अध्याय–5	बैंक समाधान विवरण	08	15
अध्याय–6	तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन	08	15
अध्याय–7	मूल्यह्रास, प्रावधान और संचय	10	35
	वित्तीय लेखांकन – भाग–2		
अध्याय–8	वित्तीय विवरण – 1	12	30
अध्याय–9	वित्तीय विवरण – 2	15	35
	योग –	**80**	**200**
	प्रायोजना –	**20**	**20**
	महायोग –	**100**	**220**

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – XI
विषय– लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 3:00 घंटे

"A" - प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र0	प्रश्नों का प्रकार	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर 01	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-I) 06	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-II) N 08	कुल अंक	% अधिमार
1.	ज्ञानात्मक (Knowledge) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	03	01	01	01	-	16	20%
2.	अवबोधात्मक (Understanding) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	04	-	02	-	01	20	25%
3.	अनुप्रयोगात्मक (Application) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	-	02	02	01	-	20	25%
4.	विश्लेषणात्मक (Analysis) [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसगठित करना/अंतर	02	-	-	01	-	08	10%
5.	मूल्यांकन (Evaluation) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	-	-	-	-	01	08	10%
6.	रचनात्मक (Creation/Creativity) सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना/संगठित करना	01	01	01	-	-	08	10%
	योग	1(10) = 10	3(4) = 12	4(6) = 24	6(3) = 18	8(2) = 16	80	100%

"B" - प्रश्नानुसार विभाजन

क्र0	प्रश्नों का प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ/एक शब्द में उत्तर	01	1(10)	10
2.	लघुउत्तरीय प्रश्न (SA)	03	04	12
3.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA)	04	06	24
4.	अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA-I)	06	03	18
5.	अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA-II) N	08	02	16
		कुल योग	15+1(10) = 16	80

"C" – कठिनाई स्तर अनुसार अंक विभाजन

क्र0	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
2.	औसत (AV)	40	50%
3.	कठिन (D)	16	20%
	कुल योग	80	100%

ब्लूप्रिंट
कक्षा – XI
विषय– लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 3:00 घंटे

"A" - प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र0	इकाई एवम् पाठ्यवस्तु	अंको का अधिमार	वस्तुनिष्ठ / एक शब्द में उत्तर 01	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-I) 06	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-II) N 08	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
	वित्तीय लेखांकन – भाग–1								
अध्याय–1	लेखांकन – एक परिचय	05	01	-	1(T)*	-	-	05	1(1)
अध्याय–2	लेखांकन के सैद्धांतिक आधार	04	01	1(T)	-	-	-	04	1(1)
अध्याय–3	लेन–देनों का अभिलेखन–1	09	01	-	1(T)* 1(N)*	-	-	09	2(1)
अध्याय–4	लेन–देनों का अभिलेखन–2	09	-	1(N)	-	1(N) *	-	09	2(0)
अध्याय–5	बैंक समाधान विवरण	08	01	1(T)	1(N)*	-	-	08	2(1)
अध्याय–6	तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन	08	01	1(T)	1(N)*	-	-	08	2(1)
अध्याय–7	मूल्यह्रास, प्रावधान और संचय	10	02	-	-	-	1(N)*	10	1(2)
	वित्तीय लेखांकन – भाग–2								
अध्याय–8	वित्तीय विवरण – 1	12	02	-	1(N)*	1(N)*	-	12	2(2)
अध्याय–9	वित्तीय विवरण – 2	15	01	-	-	1(N)*	1(N)*	15	2(1)
	योग	**80**	**1(10) = 10**	**3(4) = 12**	**4(06) = 24**	**6(03) = 18**	**8(02) = 16**	**80**	**15+1(10) = 16**

नोट –

01- वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 05 एक शब्द वाले (OWA) प्रश्न होंगे।

02- * तारांकित प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जायेंगे। सैद्धांतिक प्रश्नों के आंतरिक विकल्प में सैद्धांतिक प्रश्न और आंकिक प्रश्नों के आंतरिक विकल्प में आंकिक प्रश्न रहेंगे।

03- T = सैद्धांतिक प्रश्न N = आंकिक प्रश्न

04- योग में कोष्टक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्टक के अंदर की संख्या प्रश्नो को दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – 11वीं
विषय– लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 **समय – 3:00 घंटे**

1. प्रश्न क्र0–01 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–

(i) **खण्ड–"अ"** में **05** बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

(ii) **खण्ड–"ब"** में **05** एक शब्द वाले (OWA) प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0–05 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA) होगें, में प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 50

3. प्रश्न क्र0–06 से प्रश्न क्र0–11 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75

4. प्रश्न क्र0–12 से प्रश्न क्र0–14 तक अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA-I) होगें, प्रत्येक में 06 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 200

5. प्रश्न क्र0–15 एवं प्रश्न क्र0–16 अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA-II),N होगें, प्रत्येक में 08 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 200–250 शब्द

6. प्रश्न क्र0–06 से प्रश्न क्र0–16 तक प्रत्येक प्रश्न मे आंतरिक विकल्प है।

7. शब्द सीमा केवल सैद्धांतिक प्रश्नों के लिए।

पाठ्यक्रम
कक्षा – XI
विषय– लेखाशास्त्र (301)

वित्तीय लेखांकन – भाग – 1 **अंक 60 कालखण्ड 135**

अध्याय – 01 लेखांकन – एक परिचय –

लेखांकन का अर्थ– आर्थिक घटनाएं, पहचान करना, मापना, लेखाजोखा एवं संप्रेषण, संगठन, सूचना के इच्छुक उपयोगकर्ता, लेखांकन एक सूचना के स्त्रोत के रूप में – लेखांकन के गुणात्मक विशेषताएं, लेखांकन के उद्देश्य – व्यवसायिक लेनदेन का हिसाब रखना, लाभ अथवा हानी की गणना करना, वित्तीय स्थिति को प्रदर्शित करना, उपयोगकर्ताओं को सूचनाएं उपलब्ध कराना, लेखांकन की भूमिका, लेखांकन के आधारभुत परिभाषिक शब्द – इकाई, लेनदेन, परिसंपत्तियां, देयताएं, पूँजी, विक्रय, आगम, व्यय, पूँजी व्यय, लाभ, अभिवृद्धि, हानि, बट्टा, प्रमाणक, माल, क्रय, आहरण, स्टॉक, देनदार, लेनदार।

अध्याय – 02 लेखांकन के सैद्धांतिक आधार –

सामान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धांत (GAAP), आधारभूत लेखांकन संकल्पनाएं – व्यवसायिक इकाई संकल्पना, मुद्रा मापन संकल्पना, सतत् व्यापार संकल्पना, लेखांकन अवधि संकल्पना, लागत संकल्पना, द्विपक्षीय संकल्पना, आगम मान्यता संकल्पना, आगम व्यय मिलान संकल्पना, पूर्ण प्रस्तुतिकरण संकल्पना, समनुरूपता की संकल्पना, रूढिवादिता की संकल्पना, सारता की संकल्पना, वस्तुनिष्ठता की संकल्पना, लेखांकन प्रणालियां, लेखांकन के आधार, लेखांकन मानक – लेखांकन मानकों की आवश्यकता, लेखांकन मानकों के लाभ ,लेखांकन मानकों की सीमाएं, वस्तु एवं सेवा कर।

अध्याय – 03 लेन–देनों का अभिलेखन – I

व्यावसायिक सौदे व स्त्रोत प्रलेख – लेखांकन प्रमाणक की तैयारी, लेखांकन समीकरण, नाम व जमा का प्रयोग – नाम व जमा के नियम, प्रारंभिक प्रविष्टि की पुस्तकें – रोजनामचा, खाता बही – खातों का वर्गीकरण, रोजनामचे से खतौनी।

अध्याय – 04 लेन–देनों का अभिलेखन – II

रोकड़ बही – एक स्तंभीय रोकड़ बही, द्विस्तंभीय रोकड़ बही, ,खुदरा रोकड़ बही, रोकड़ बही का संतुलन, क्रय (रोजनामचा) पुस्तक, क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक, विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक, विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक, मुख्य रोजनामचा, खातो का संतुलन

अध्याय – 05 बैंक समाधान विवरण –

बैंक समाधान विवरण की आवश्यकता – समय में अंतर, अशुद्धियों के कारण अंतर, बैंक समाधान विवरण का निर्माण – रोकड़ बही में समयोजन के बिना बैंक समाधान विवरण बनाना, समायोजित रोकड़ बही की सहायता से बैंक समाधान विवरण का निर्माण।

अध्याय – 06 तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन –

तलपट अर्थ, तलपट बनाने के उद्देश्य – बही खातों की अंकगणितीय शुद्धता का निर्धारण, अशुद्धियों को ज्ञात करने में सहायता करना, वित्तीय विवरणों के निर्माण में सहायता करना, तलपट को तैयार करना – योग विधि, शेष विधि, शेष एवं योग विधि तलपट के मिलान का महत्व – अशुद्धियों का वर्गीकरण, लेख अशुद्धियां, लोप अशुद्धिया, अशुद्धिया, सैद्धांतिक अशुद्धियां, क्षतिपूरक अशुद्धियां, अशुद्धिया को ज्ञात करना, अशुद्धियों का संशोधन – अशुद्धियां जो तलपट पर प्रभाव नहीं डालती है, तलपट को प्रभावित करने वाली अशुद्धियां, आगामी लेखांकन वर्ष में अशुद्धियों का शोधन।

अध्याय – 07 ह्रास, प्रावधान और संचय

ह्रास – ह्रास का अर्थ, ह्रास की विशेषताएं, ह्रास एवं इससे मेल खाते शब्द – रिक्तीकरण, परिशोधन, ह्रास के कारण – क्षय एवं घिसावट अथवा समय की समाप्ति के करण मूल्य में कमी, कानूनी अधिकार की समाप्ति, अप्रचलन, असमान्य तत्व, ह्रास की आवश्यकता – आगम एवं लागत का मिलान, कर के लिए महत्व, सत्य एवं उचित वित्तीय स्थिति, कानून का अनुपालन, ह्रास की राशि को प्रभावित करने वाले तत्व – परिसम्पत्ति की लागत, अनुमानित शुद्ध अवशिष्ट मूल्य, ह्रास मान मूल्य, अनुमानित उपयोगी जीवन काल, ह्रास की राशि की गणना की पद्धतियाँ – सीधी रेखा पद्धति, क्रमागत पद्धति, सीधी रेखा एवं क्रमागत ह्रासविधि तुलनात्मक विश्लेषण – ह्रास लगाने के आधान, ह्रास का वार्षिक प्रभार, ह्रास एवं मरम्मत व्यय का लाभ हानी खाते पर भार, आयकर कानून मान्यता, उपयुक्तता, ह्रास के अभिलेखन की पद्धतियाँ – परिसम्पत्ति खाते पर ह्रास का लगया जाना, ह्रास पर प्रावधान खाता/संचित ह्रास खाता, परिसम्पत्ति का निपटान/विक्रय – परिसम्पत्ति का निपटान खाते की उपयोगिता, वर्तमान परिसम्पत्ति में बढ़ोतरी एवं विस्तार, प्रावधान – प्रावधानों का लेखांकन, संचय – संचय एवं प्रावधान में अंतर, संचय का महत्व, गुप्त संचय

वित्तीय लेखांकन भाग – 2 अंक 20 कालखण्ड 65

अध्याय – 08 वित्तीय विवरण – I

पणधारी और उनकी सूचना आवश्यकतायें, पूँजी और आगम के मध्य भेद – पूँजीगत व्यय, प्राप्ति, पूँजी व आगम के मध्य अंतर की महत्ता, वित्तीय विवरण, व्यापारिक व लाभ और हानि खाता – व्यापारिक व लाभ और हानि खातें के प्रासंगिक तत्व, अंतिम प्रविष्टियां, सकल लाभ व निवल लाभ की अवधारणा, बेचे गये समान की लागत और अंतिम स्टॉक का वयापारिक खाते में पुनः निरीक्षण, तुलन–पत्र – तुलन पत्र का निर्माण, तुलन पत्र की प्रासंगिक मदें, परिसंपत्तियों और दायित्वों का क्रमबद्धीकरण और समूहीकरण।

अध्याय – 09 वित्तीय विवरण – II

समयोजन की आवश्यकता, अंतिम स्टॉक, बकाया व्यय, पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित आय, अग्रिम प्राप्त आय, ह्रास, डूबत ऋण, संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान, देनदारों पर बट्टे का प्रावधान, प्रबंधक कमीशन, पूँजी पर ब्याज।

योग –	80	200
प्रायोजना –	20	20
महायोग –	100	220

प्रायोजना कार्य (Project Work)
कक्षा – XI
विषय– लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक : 20 अंक
(Max. Marks 20)

समय : 2:00 घंटे
(Time : Two Hours)

मूल्यांकन योजना

स.क्र. S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंक Marks allotted
1.	प्रायोजना कार्य (Record)	04
2.	प्रायोजना कार्य / परीक्षा (PW/PE)	
	(i) प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता Initiative, Cooperativeness and participation	02
	(ii) प्रस्तुतिकरण में सृजनात्मकता Creativity and participation	02 — 12
	(iii) विषयवस्तु, अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य Content, Observation and Research Work.	04
	(iv) परिस्थितियों का विश्लेषण Analysis of Situation.	04
3.	मौखिक (Viva)	04
	कुल अंक (Total)	**20 अंक 20 Marks**

टीप – प्रायोजना कार्य पाठ्यक्रमानुसार पूर्ववत् यथावत् रहेगा।